Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 1100 | 1593 **Date:** 08|06|2020 **Validity :** 1 Year Only

नाम: Mrs. Shaysta Nasreen	जन्म तिथि: 18/03/1977	जन्म समय: 5:15 PM
जन्म स्थान: Bhagalpur	मांगलिक योग: NO (Cancelled)	इष्ट देव: Guru Dev
लग्न: Singh lagna	राशि: Kumbh	नक्षत्र: शतभिषा - 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Budh (अस्त)	Nill	Surya	25%
2.	Mangal	25%	Chandra	70%
3.	Guru	25%	Shani (व)	100%
4.	Shukra (व)	25%	Rahu (व)	30%
5.			Ketu (व)	30%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, पन्ना & पुखराज अलग - 2 हाथों में धारण करें। Career growth, Savings, income grow होगी। obstacles कम होंगे। मानसिक तनाव कम होगा। (good kundli).

3. कुण्डली दोष: ~~चन्द्र ग्रहण योग~~, ~~सोमवार को दूध, चीनी दान करने से ग्रहण शान्त होगा।~~

4. शुभ दिन: Tuesday, Wednesday, Thursday, Friday.

5. शुभ रंग: (लाल, हरा, पीला), अशुभ : (काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
✓ 1. पन्ना (Required)	6+	Left	Little	चाँदी में बुधवार को 8:15 AM पर धारण करें।
2. पुखराज	6+	Right	Index	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में बृहस्पतिवार को 8:15 AM पर शुक्ल पक्ष में धारण करें।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

नीलम, गोमेद, लहसुनिया, माणिक, मोती आदि रत्न वर्जित हैं।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) शनि : (Saturn) : सरसों का तेल गरीबो में दान करने से (सूर्यास्त के बाद हर शनिवार को) Health Problems नहीं होंगे।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शनि, चन्द्र, सूर्य का पाठ & दान करने से Anxiety, health Problems समाप्त होंगे।

11. Comments:

☺ Aggressive nature रहेगा, गुस्सा जल्दी आ सकता है। एवम् शान्त भी जल्दी हो जाएगा! Obstacles, मानसिक तनाव, कामकाज में delay होना स्वाभिक है। Sunday को गेहूँ का दान या रोटी का दान करें! सूर्य को जल दें (Sunday को) परेशानी समाप्त होगी!

☺ बुध देव अस्त है। इसलिए Bank Savings कम कर पाएंगी! मानसिक तनाव ज्यादा रहेगा, धन लाभ में कमी रहेगी! Overthinking के कारण तनाव बन सकता है। पन्ना धारण करने से लाभ बढ़ेगा, Savings बढ़ेगी।

पुखराज धारण करने से Career growth अच्छी रहेगी! परेशानी कम होगी (life में). & health Problems कम होंगे। स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी।

Scanned with CamScanner

सोमवार को दूध, चीनी, चावल का दान करने से मानसिक भाव कम होगा। खर्चा control रहेगा। दाम्पत्य सुख अच्छा रहेगा।

महादशा :- बुध की महादशा :

05/04/2013 to 05/04/2030 — अच्छी दशा (Nill 10%)

└ पन्ना अवश्य धारण करें। समय अच्छा चलेगा। Bank Balance, परिवार सुख, Income में growth अवश्य होगी।

बुध/चन्द्र : 05/05/20 to 05/10/2021 : खराब दशा (70%)

└ मानसिक परेशानी रहेगी, खर्च, hospital Bills आदि बढ़ेंगे। Savings कम हो पायेगी। पैरों में दर्द रह सकता है। मानसिक तनाव ज्यादा रहेगा। daily wages of income में कमी आ सकती है। husband के साथ छोटे मोटे dispute हो सकते हैं।

उपाय:- हर सोमवार को दूध, चीनी किसी गरीब को दान अवश्य करें।

मंत्र: "ॐ सोम सोमाय नमः" का जाप मन ही मन 5 to 10 mints तक किया करें।

Scanned with CamScanner

12. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

बुध/मंगल :- 05/10/2021 to 02/10/2022 : अच्छा समय (90%)

प्रॉपर्टी, वाहन खरीदने के योग बनेंगे। Career grow हो सकती है। कामकाज में वृद्धि होगी। Job के लिए अच्छा समय रहेगा! परेशानी काफी कम होगी। थोड़ा Aggressive स्वभाव जरूर हो सकता है। Energetic काफी महसूस होगा। (अच्छा समय) ↑

→ 27/10/21 to 19/12/21 (Problems) :- शनिवार को सूर्यास्त के बाद शाम को (7 to 8 PM). चाय की पत्ती & अगरबत्ती किसी को दान करें या दरगाह पर चढ़ा दें।

→ 06/02/22 to 04/04/22 (Problems) :- (समस्या रहेगी) └ सरसों का तेल शनिवार को After sunset किसी भी गरीब को दान करें।

→ 15/08/22 to 02/09/22 (Problems) — [Sunday को गेहूँ का दान करते रहें!] (गेहूँ)

→ 03/09/22 to 2/10/22 — सोमवार को दूध का दान करते रहें! Problems.

→ 27/03/27 to 05/04/30 — (ध्यान रखना) — (Health issue आयेंगे काफी) └ (सरसों का तेल दान करने से आराम रहेगा)

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: (मंगलवार को करना है)	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
वुद्ध देव के उपाय: (बुधवार को करना है)	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (बृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** (कुत्ते को खाना खिलाना) रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011589 Date: 08/06/2020

Mrs. Shaysta Nasreen

18 Mar 1977 05:15 PM

Bhagalpur

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Mrs. Shaysta Nasreen

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011589 Date: 08/06/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **18/03/1977**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **17:15:00 ांटे**
इष्ट	: 28:35:26 घटी
स्थान	: **Bhagalpur**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:14:00 उत्तर
रेखांश	: 86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 17:32:56 घंटे
वेलान्तर	: -00:08:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 05:16:37 घंटे
सूर्योदय	: 05:48:49 घंटे
सूर्यास्त	: 17:52:00 घंटे
दिनमान	: 12:03:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 04:13:27 मीन
लग्न के अंश	: 26:39:16 सिंह

चैत्रादि संवत / शक	: 2033 / 1898
मास	: चैत्र
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 14
तिथि समाप्ति काल	: 23:20:53
जन्म तिथि	: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: शतभिषा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 18:42:11 घंटे
जन्म नक्षत्र	: शतभिषा
सूर्योदय कालीन योग	: साध्य
योग समाप्ति काल	: 17:03:07 घंटे
जन्म योग	: शुभ
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 11:11:07 घंटे
जन्म करण	: शकुनि
भयात	: 58:11:31
भभोग	: 61:49:30
भोग्य दशा काल	: राहु 1 वर्ष 0 मा 17 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: सिंह – सूर्य
राशि–स्वामी	: **कुम्भ – शनि**
नक्षत्र–चरण	: **शतभिषा – 4**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: शुभ
करण	: शकुनि
गण	: राक्षस
योनि	: अश्व
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मेष
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: सू–सुगन्धा
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ात चक्र	
मास	: चैत्र
तिथि	: 3-8-13
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: आर्द्रा
योग	: गण्ड
करण	: किंस्तुघ्न
प्रहर	: 3
वर्ग	: श्वान
लग्न	: मिथुन
सूर्य	: वृष
चन्द्र	: मिथुन
मंगल	: मिथुन
बुध	: वृष
गुरु	: कर्क
शुक्र	: सिंह
शनि	: मेष
राहु	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:39:16	325:52:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	———
सूर्य			मीन	04:13:27	00:59:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	19:13:24	12:50:04	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कुंभ	05:12:16	00:46:51	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
बुध		अ	मीन	06:26:38	01:59:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			वृष	03:29:27	00:10:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		मेष	00:54:11	00:05:48	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि	व		कर्क	16:54:48	00:02:30	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	00:55:13	00:03:57	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:55:13	00:03:57	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	17:48:29	00:01:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	———
नेप	व		वृश्चि	22:36:19	00:00:00	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	———
प्लूटो	व		कन्या	19:41:59	00:01:36	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	———
दशम भाव			वृष	26:29:33	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:27

लग्न–चलित

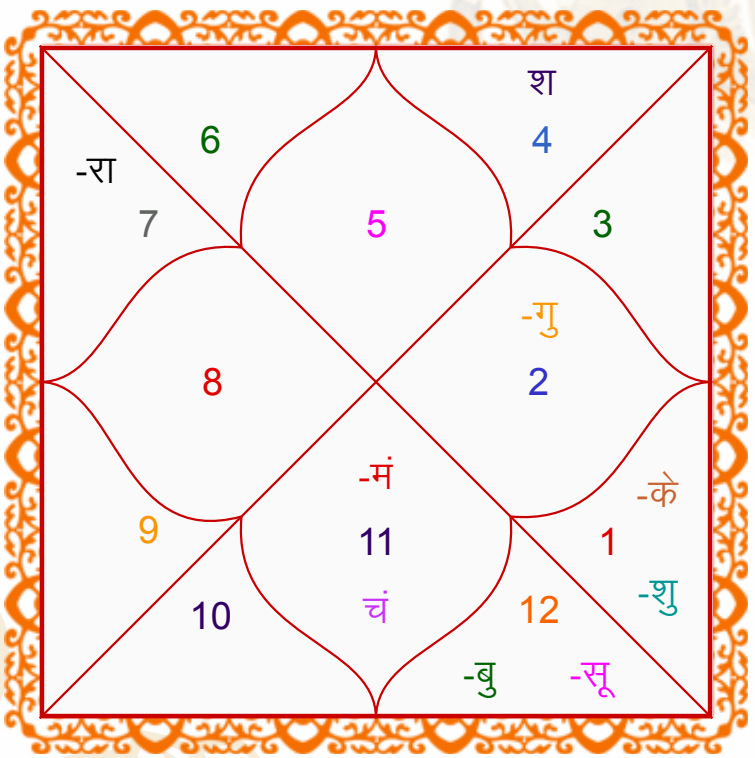

चन्द्र कुंडली

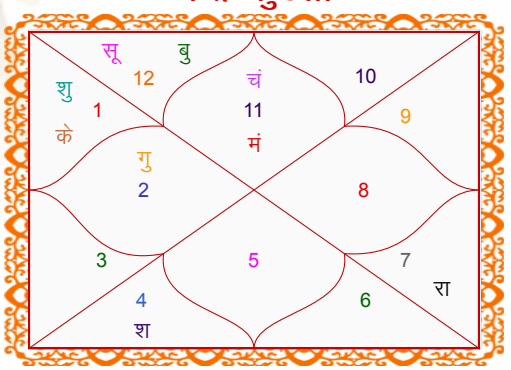

नवमांश कुंडली

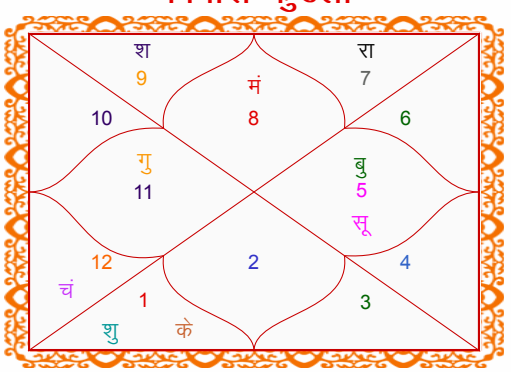

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	48	35	58	3	39	59	29
सप्तवर्गज बल	131	139	116	120	90	98	68
ओजयुग्मक बल	15	15	15	15	15	0	15
केन्द्र बल	30	60	60	30	60	15	15
द्रेष्काण बल	15	0	15	0	15	0	15
कुल स्थान बल	239	249	264	168	219	171	141
कुल दिग्बल	33	32	23	3	22	19	13
नतोन्नत बल	33	27	27	60	33	33	27
पक्ष बल	55	110	55	55	5	5	55
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	0	0	0	45	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	58	39	14	30	55	42	7
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	146	176	96	145	258	125	149
कुल चेष्टाबल	0	0	12	15	21	7	44
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-9	-9	-9	-9	-38	-10	1
कुल षट्बल	468	500	403	347	518	355	358
रूप षट्बल	7.8	8.3	6.7	5.8	8.6	5.9	6.0
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.6	1.4	1.3	0.8	1.3	1.1	1.2
संबंधित पद	1	2	3	7	4	6	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	37.50	13.31	26.36	6.46	29.05	20.83	35.87
कष्ट फल	19.15	36.78	10.73	50.93	28.14	8.27	21.99

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	468	347	355	403	518	358	358	518	403	355	347	500
भावदिग्बल	30	50	40	30	10	40	0	20	50	60	40	20
भावदृष्टि बल	36	47	63	63	37	35	-7	-10	-21	6	40	40
कुल भाव बल	534	445	458	496	565	433	351	528	432	421	428	559
रूप भाव बल	8.9	7.4	7.6	8.3	9.4	7.2	5.9	8.8	7.2	7.0	7.1	9.3
संबंधित पद	3	7	6	5	1	8	12	4	9	11	10	2

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

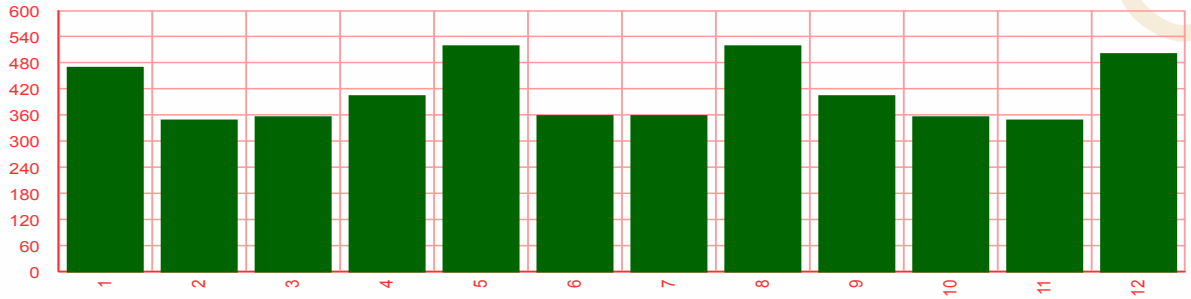

भावदिग्बल

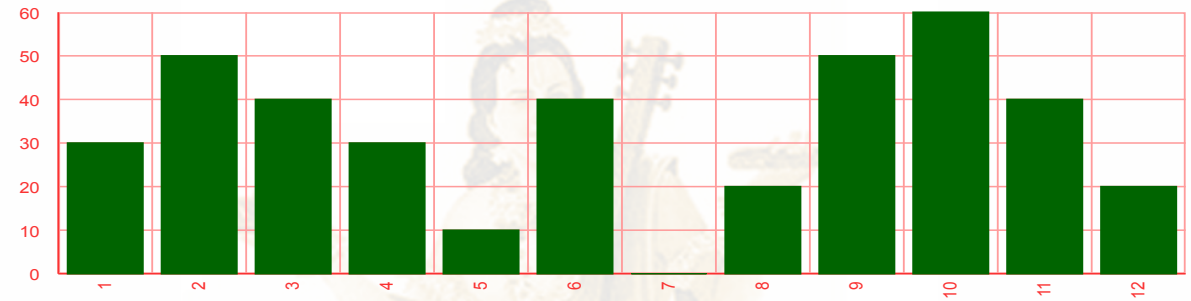

भावदृष्टि बल

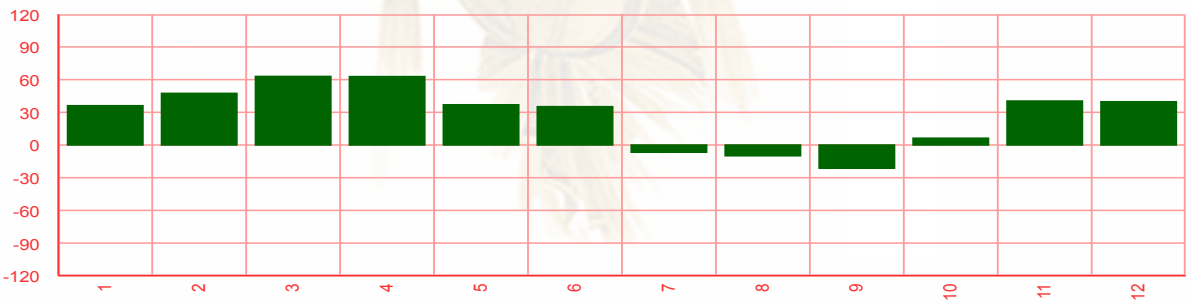

भाव बल

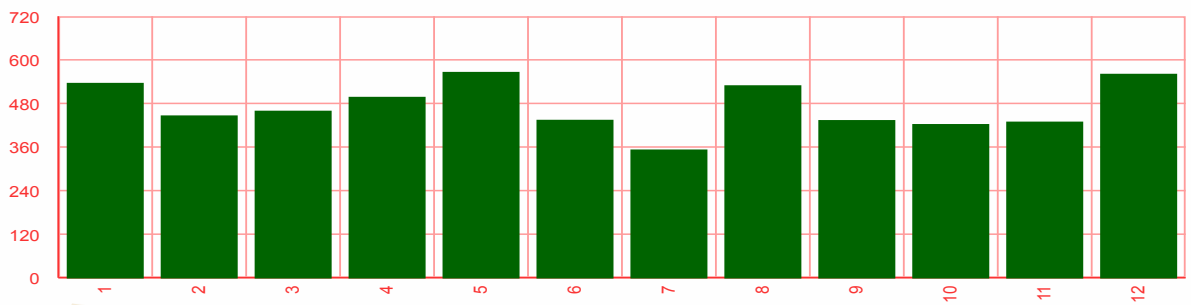

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 0 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष	
18/03/1977	
05/04/1978	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	18/03/1977
मंगल	05/04/1978

गुरु 16 वर्ष	
05/04/1978	
05/04/1994	
गुरु	23/05/1980
शनि	05/12/1982
बुध	12/03/1985
केतु	16/02/1986
शुक्र	17/10/1988
सूर्य	05/08/1989
चंद्र	05/12/1990
मंगल	11/11/1991
राहु	05/04/1994

शनि 19 वर्ष	
05/04/1994	
05/04/2013	
शनि	08/04/1997
बुध	17/12/1999
केतु	25/01/2001
शुक्र	27/03/2004
सूर्य	09/03/2005
चंद्र	08/10/2006
मंगल	17/11/2007
राहु	23/09/2010
गुरु	05/04/2013

बुध 17 वर्ष	
05/04/2013	
05/04/2030	
बुध	02/09/2015
केतु	29/08/2016
शुक्र	30/06/2019
सूर्य	05/05/2020
चंद्र	05/10/2021
मंगल	02/10/2022
राहु	20/04/2025
गुरु	27/07/2027
शनि	05/04/2030

केतु 7 वर्ष	
05/04/2030	
05/04/2037	
केतु	01/09/2030
शुक्र	01/11/2031
सूर्य	08/03/2032
चंद्र	07/10/2032
मंगल	06/03/2033
राहु	24/03/2034
गुरु	28/02/2035
शनि	08/04/2036
बुध	05/04/2037

शुक्र 20 वर्ष	
05/04/2037	
05/04/2057	
शुक्र	04/08/2040
सूर्य	05/08/2041
चंद्र	05/04/2043
मंगल	05/06/2044
राहु	05/06/2047
गुरु	03/02/2050
शनि	05/04/2053
बुध	04/02/2056
केतु	05/04/2057

सूर्य 6 वर्ष	
05/04/2057	
05/04/2063	
सूर्य	24/07/2057
चंद्र	22/01/2058
मंगल	30/05/2058
राहु	24/04/2059
गुरु	10/02/2060
शनि	22/01/2061
बुध	28/11/2061
केतु	05/04/2062
शुक्र	05/04/2063

चंद्र 10 वर्ष	
05/04/2063	
05/04/2073	
चंद्र	04/02/2064
मंगल	04/09/2064
राहु	06/03/2066
गुरु	06/07/2067
शनि	03/02/2069
बुध	06/07/2070
केतु	04/02/2071
शुक्र	04/10/2072
सूर्य	05/04/2073

मंगल 7 वर्ष	
05/04/2073	
05/04/2080	
मंगल	01/09/2073
राहु	20/09/2074
गुरु	27/08/2075
शनि	04/10/2076
बुध	02/10/2077
केतु	28/02/2078
शुक्र	30/04/2079
सूर्य	05/09/2079
चंद्र	05/04/2080

राहु 18 वर्ष	
05/04/2080	
18/03/2097	
राहु	17/12/2082
गुरु	11/05/2085
शनि	17/03/2088
बुध	05/10/2090
केतु	23/10/2091
शुक्र	23/10/2094
सूर्य	17/09/2095
चंद्र	18/03/2097
मंगल	18/03/2097

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - चंद्र	
05/05/2020	
05/10/2021	
चंद्र	17/06/2020
मंगल	17/07/2020
राहु	03/10/2020
गुरु	11/12/2020
शनि	03/03/2021
बुध	15/05/2021
केतु	14/06/2021
शुक्र	09/09/2021
सूर्य	05/10/2021

बुध - मंगल	
05/10/2021	
02/10/2022	
मंगल	26/10/2021
राहु	19/12/2021
गुरु	05/02/2022
शनि	04/04/2022
बुध	25/05/2022
केतु	15/06/2022
शुक्र	14/08/2022
सूर्य	02/09/2022
चंद्र	02/10/2022

बुध - राहु	
02/10/2022	
20/04/2025	
राहु	18/02/2023
गुरु	23/06/2023
शनि	17/11/2023
बुध	28/03/2024
केतु	21/05/2024
शुक्र	24/10/2024
सूर्य	09/12/2024
चंद्र	25/02/2025
मंगल	20/04/2025

बुध - गुरु	
20/04/2025	
27/07/2027	
गुरु	09/08/2025
शनि	18/12/2025
बुध	14/04/2026
केतु	01/06/2026
शुक्र	17/10/2026
सूर्य	28/11/2026
चंद्र	05/02/2027
मंगल	25/03/2027
राहु	27/07/2027

बुध - शनि	
27/07/2027	
05/04/2030	
शनि	30/12/2027
बुध	17/05/2028
केतु	13/07/2028
शुक्र	24/12/2028
सूर्य	11/02/2029
चंद्र	04/05/2029
मंगल	01/07/2029
राहु	25/11/2029
गुरु	05/04/2030

केतु - केतु	
05/04/2030	
01/09/2030	
केतु	14/04/2030
शुक्र	09/05/2030
सूर्य	16/05/2030
चंद्र	29/05/2030
मंगल	06/06/2030
राहु	29/06/2030
गुरु	19/07/2030
शनि	11/08/2030
बुध	01/09/2030

केतु - शुक्र	
01/09/2030	
01/11/2031	
शुक्र	11/11/2030
सूर्य	03/12/2030
चंद्र	07/01/2031
मंगल	01/02/2031
राहु	06/04/2031
गुरु	02/06/2031
शनि	08/08/2031
बुध	08/10/2031
केतु	01/11/2031

केतु - सूर्य	
01/11/2031	
08/03/2032	
सूर्य	08/11/2031
चंद्र	19/11/2031
मंगल	26/11/2031
राहु	15/12/2031
गुरु	01/01/2032
शनि	21/01/2032
बुध	09/02/2032
केतु	16/02/2032
शुक्र	08/03/2032

केतु - चंद्र	
08/03/2032	
07/10/2032	
चंद्र	26/03/2032
मंगल	08/04/2032
राहु	09/05/2032
गुरु	07/06/2032
शनि	11/07/2032
बुध	10/08/2032
केतु	22/08/2032
शुक्र	27/09/2032
सूर्य	07/10/2032

केतु - मंगल	
07/10/2032	
06/03/2033	
मंगल	16/10/2032
राहु	07/11/2032
गुरु	27/11/2032
शनि	21/12/2032
बुध	11/01/2033
केतु	20/01/2033
शुक्र	14/02/2033
सूर्य	21/02/2033
चंद्र	06/03/2033

केतु - राहु	
06/03/2033	
24/03/2034	
राहु	02/05/2033
गुरु	22/06/2033
शनि	22/08/2033
बुध	15/10/2033
केतु	07/11/2033
शुक्र	10/01/2034
सूर्य	29/01/2034
चंद्र	02/03/2034
मंगल	24/03/2034

केतु - गुरु	
24/03/2034	
28/02/2035	
गुरु	08/05/2034
शनि	01/07/2034
बुध	19/08/2034
केतु	08/09/2034
शुक्र	03/11/2034
सूर्य	21/11/2034
चंद्र	19/12/2034
मंगल	08/01/2035
राहु	28/02/2035

केतु - शनि	
28/02/2035	
08/04/2036	
शनि	03/05/2035
बुध	29/06/2035
केतु	23/07/2035
शुक्र	28/09/2035
सूर्य	19/10/2035
चंद्र	21/11/2035
मंगल	15/12/2035
राहु	14/02/2036
गुरु	08/04/2036

केतु - बुध	
08/04/2036	
05/04/2037	
बुध	29/05/2036
केतु	19/06/2036
शुक्र	19/08/2036
सूर्य	06/09/2036
चंद्र	06/10/2036
मंगल	27/10/2036
राहु	20/12/2036
गुरु	07/02/2037
शनि	05/04/2037

शुक्र - शुक्र	
05/04/2037	
04/08/2040	
शुक्र	25/10/2037
सूर्य	25/12/2037
चंद्र	05/04/2038
मंगल	15/06/2038
राहु	15/12/2038
गुरु	26/05/2039
शनि	05/12/2039
बुध	25/05/2040
केतु	04/08/2040

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - सूर्य	
04/08/2040	
05/08/2041	
सूर्य	23/08/2040
चंद्र	22/09/2040
मंगल	13/10/2040
राहु	07/12/2040
गुरु	25/01/2041
शनि	24/03/2041
बुध	15/05/2041
केतु	05/06/2041
शुक्र	05/08/2041

शुक्र - चंद्र	
05/08/2041	
05/04/2043	
चंद्र	24/09/2041
मंगल	30/10/2041
राहु	29/01/2042
गुरु	20/04/2042
शनि	26/07/2042
बुध	20/10/2042
केतु	25/11/2042
शुक्र	06/03/2043
सूर्य	05/04/2043

शुक्र - मंगल	
05/04/2043	
05/06/2044	
मंगल	30/04/2043
राहु	03/07/2043
गुरु	29/08/2043
शनि	05/11/2043
बुध	04/01/2044
केतु	29/01/2044
शुक्र	09/04/2044
सूर्य	30/04/2044
चंद्र	05/06/2044

शुक्र - राहु	
05/06/2044	
05/06/2047	
राहु	16/11/2044
गुरु	11/04/2045
शनि	02/10/2045
बुध	06/03/2046
केतु	09/05/2046
शुक्र	07/11/2046
सूर्य	01/01/2047
चंद्र	02/04/2047
मंगल	05/06/2047

शुक्र - गुरु	
05/06/2047	
03/02/2050	
गुरु	13/10/2047
शनि	15/03/2048
बुध	31/07/2048
केतु	26/09/2048
शुक्र	08/03/2049
सूर्य	25/04/2049
चंद्र	15/07/2049
मंगल	10/09/2049
राहु	03/02/2050

शुक्र - शनि	
03/02/2050	
05/04/2053	
शनि	05/08/2050
बुध	16/01/2051
केतु	25/03/2051
शुक्र	04/10/2051
सूर्य	30/11/2051
चंद्र	06/03/2052
मंगल	12/05/2052
राहु	02/11/2052
गुरु	05/04/2053

शुक्र - बुध	
05/04/2053	
04/02/2056	
बुध	30/08/2053
केतु	29/10/2053
शुक्र	19/04/2054
सूर्य	10/06/2054
चंद्र	04/09/2054
मंगल	04/11/2054
राहु	08/04/2055
गुरु	24/08/2055
शनि	04/02/2056

शुक्र - केतु	
04/02/2056	
05/04/2057	
केतु	29/02/2056
शुक्र	10/05/2056
सूर्य	31/05/2056
चंद्र	06/07/2056
मंगल	30/07/2056
राहु	02/10/2056
गुरु	28/11/2056
शनि	04/02/2057
बुध	05/04/2057

सूर्य - सूर्य	
05/04/2057	
24/07/2057	
सूर्य	10/04/2057
चंद्र	20/04/2057
मंगल	26/04/2057
राहु	12/05/2057
गुरु	27/05/2057
शनि	13/06/2057
बुध	29/06/2057
केतु	05/07/2057
शुक्र	24/07/2057

सूर्य - चंद्र	
24/07/2057	
22/01/2058	
चंद्र	08/08/2057
मंगल	18/08/2057
राहु	15/09/2057
गुरु	09/10/2057
शनि	07/11/2057
बुध	03/12/2057
केतु	14/12/2057
शुक्र	13/01/2058
सूर्य	22/01/2058

सूर्य - मंगल	
22/01/2058	
30/05/2058	
मंगल	30/01/2058
राहु	18/02/2058
गुरु	07/03/2058
शनि	27/03/2058
बुध	14/04/2058
केतु	22/04/2058
शुक्र	13/05/2058
सूर्य	19/05/2058
चंद्र	30/05/2058

सूर्य - राहु	
30/05/2058	
24/04/2059	
राहु	18/07/2058
गुरु	31/08/2058
शनि	22/10/2058
बुध	08/12/2058
केतु	27/12/2058
शुक्र	20/02/2059
सूर्य	08/03/2059
चंद्र	05/04/2059
मंगल	24/04/2059

सूर्य - गुरु	
24/04/2059	
10/02/2060	
गुरु	02/06/2059
शनि	18/07/2059
बुध	28/08/2059
केतु	14/09/2059
शुक्र	02/11/2059
सूर्य	17/11/2059
चंद्र	11/12/2059
मंगल	28/12/2059
राहु	10/02/2060

सूर्य - शनि	
10/02/2060	
22/01/2061	
शनि	05/04/2060
बुध	24/05/2060
केतु	13/06/2060
शुक्र	10/08/2060
सूर्य	27/08/2060
चंद्र	25/09/2060
मंगल	16/10/2060
राहु	07/12/2060
गुरु	22/01/2061

सूर्य - बुध	
22/01/2061	
28/11/2061	
बुध	07/03/2061
केतु	25/03/2061
शुक्र	16/05/2061
सूर्य	31/05/2061
चंद्र	26/06/2061
मंगल	14/07/2061
राहु	30/08/2061
गुरु	10/10/2061
शनि	28/11/2061